

11.7.25

डाकियवला जली इपण/ डाकियवला डेवण
 गण अनुपासित / इतलें एर न एर
 वरिवाही म- जली ही वरवी- व
 वाद मुतमठिक इतलें रिपोट डिही
 वरिवा म- कुम ही / यमी- पाठ पत्र
 212 RT मच दावे वर भाग होत
 ही इतलें एर अब 10 पत्र म- वरि-
 वरिवाही- अपोक्षित जही- ही अ
 पाथ वर जवन- पत्र रानजि
 वरिवा भाग ही एतलें रिपोट
 कुम होत वरिवा म- ही वर
 ही

उपस्थित अधिकारी
 कोटवतली (कार्यवतली-करोड)